माँ अंबे दे दो चरण कमल की धूल लिरिक्स

माँ अंबे दे दो चरण कमल की धूल,
मेरी भूल जाओ हर भूल,
मां अंबे दे दो चरण कमल की धूल।bd।

मैं निर्बल हूँ बल दो माता,
प्यासे मन को जल दो माता,
इस तन का कुछ फल दो माता,
कही हो ना जाए निर्मूल,
मां अंबे दे दो चरण कमल की धूल,
मेरी भूल जाओ हर भूल,
मां अंबे दे दो चरण कमल की धूल।bd।

जहाँ जले माँ ज्योत तुम्हारी,
रैन रहे न वहां अंधियारी,
सुखमय जीवन की फुलवारी,
कही हो ना जाए बबूल,
मां अंबे दे दो चरण कमल की धूल,
मेरी भूल जाओ हर भूल,
मां अंबे दे दो चरण कमल की धूल।bd।

माँ अंबे दे दो चरण कमल की धूल,
मेरी भूल जाओ हर भूल,
मां अंबे दे दो चरण कमल की धूल।bd।

लेखन – हरी सिंह भैया।
सीताराम सत्संग ग्रुप।
7566973672

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com